भारतीय सांस्कृतिक केंद्र पारामारिबो (अंक ९)

हिंदी त्रैमासिक सूरीनाम हलचल दिसंबर २०१५

पहेली १ -कृष्णा तिवारी

१) मनुष्य के जीवन में अगर एक बार कुछ आजाए तो फिर कभी नहीं जाता,

ताज़ा खबर: ***सूरीनाम में भारत के नए राजदूत महामहिम ‘श्रीमान सत्येंदर कुमार’ का आगमन।***

समय बड़ा बलवान – शकिता रामौतार

हर एक शुरुआत का एक अंत होता है।
लेकिन समय का कोई अंत नहीं है।।
जीवन का अंत मृत्यु होती है।
लेकिन समय का कोई अंत नहीं है।।
सुबह का अंत शाम होती है।
लेकिन समय का कोई अंत नहीं है।।
सोने का अंत जागना होता है।
लेकिन समय का कोई अंत नहीं है।।
हर एक समुद्र का अंत जमीं पर होता है।
लेकिन समय का कोई अंत नहीं है।।
हर एक दु:ख का सुख में अंत होता है।
लेकिन समय का कोई अंत नहीं है।।
मेरी दुआ यह है कि हमारी हिंदी भाषा और
हमारा धर्म इस समय की तरह चलता रहे।।

धारावाहिक कहानी - शर्मीला रामरतन

सोने का राजा

ये कहानी आज कल की है, लेकिन इस की शुरुआत बहुत पहले की है। एक गुरुजी थे और उनके कई शिष्य थे। गुरु शिक्षा समाप्त होने पर उनको एक सीख दिया करते थे। आज भी सभा लगी थी। उसमे सब शिष्य हाथ जोडे बैठे हुए थे कि गुरु हमें कौन सी सीख देंगे। सब शिष्यों को सीख मिल गयी पर एक शिष्य उदास बैठा था। गुरु ने अभी तक उसे कोई शिक्षा नहीं दी थी। जब वह जाने लगा तो गुरु ने पीछे से पुकारा: “भिखारीदास यहाँ आओ।” वह दौड़ता हुआ गुरु के पास पहुचा। गुरु ने कहा कहा। “तुम हमेशा से परिश्रमी हो और महत्वाकांक्षी भी हो। तुम्हारी सीख है -संतोष परमो धर्मः अब मैं तुम्हें यहाँ से, दुनिया के सब से सुंदर देश भेजूँगा। वहाँ तुम्हे एक नियम का पालन करना होगा। वो नियम है, थोडे में संतुष्ट रहना। प्रकृति को प्यार करना। अधिक पाने के लालच में ऊँचाई से गिरोगे। वह अपने गुरु के बताये हुए मान चित्र के अनुसार उस देश में चला गया। जब वह वहाँ पहुँचा तो मानो उसकी आत्मा तृप्त हो गयी एक दूसरे से होड़ करते सूरज को पाने की चाह वाले लम्बे विशाल पेड़ों का जंगल, तरह तरह की चिड़ियाओं का संगीत................

जारी है (क्रमशः)

बिंदुओं को जोड़ कर वाक्य बनाओ !

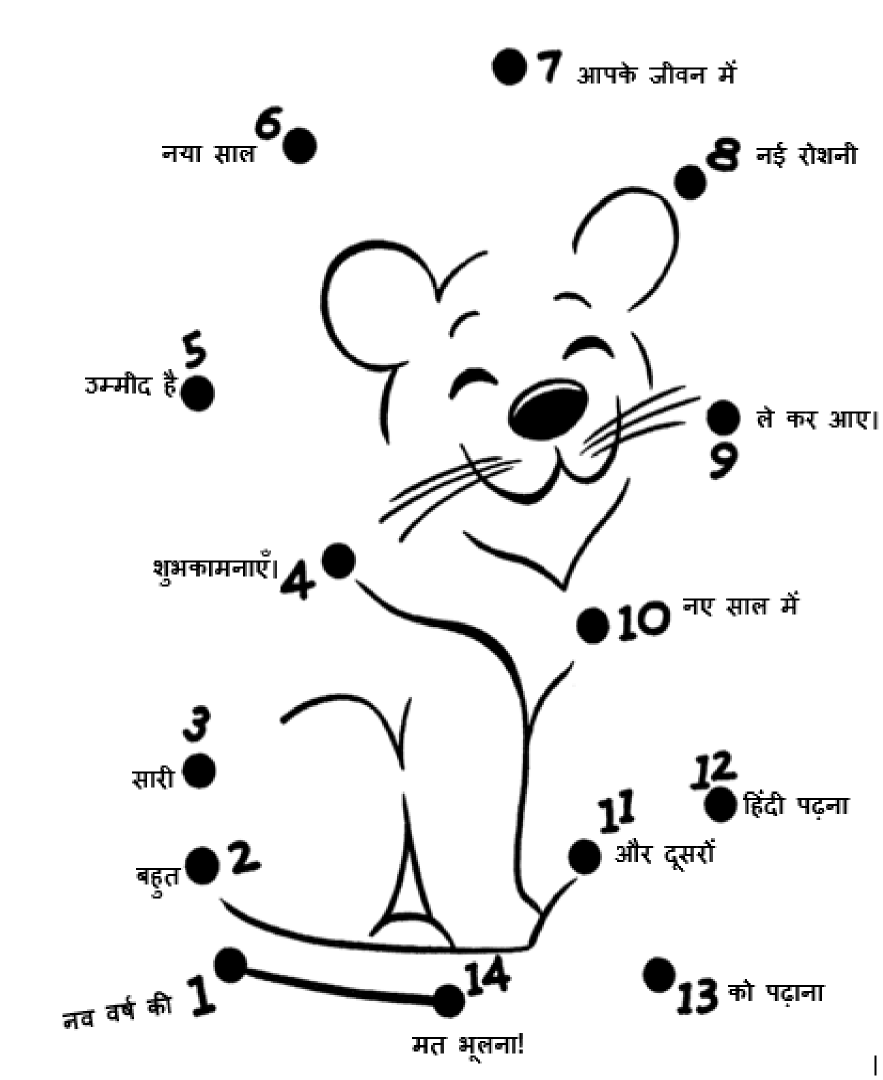

वर्षा ऋतु - गुमावती दुबे

बादल आया
बादल आया,
काला काला
बादल आया।
हवा के साथ झूम कर आया,
रिमझिम रिमझिम जल बरसाया।
जग जीवन की प्यास बुझाई,
धरती माँ ने भी ली अँगड़ाई।
पेड़ो में नव जीवन आई,
चारों ओर हरियाली छाई।
अब गर्मी का डर न भैया,
चल कागज़ की चलाये नैया।
मुझको अब मत रोको मैया,
वर्षा में भी भीगूँगी मैया।

पहेली १ का उत्तर— बुढ़ापा

पहेली २

मनुष्य के जीवन से अगर एक बार कुछ चला जाए तो फिर वापस नहीं आता, बताओ वह क्या है?

मोनिक पूल एक स्लोथ महिला

सी एन एन हीरो

बहुत कम लोग इस दुनिया में है जो जानवरों की रक्षा करते है। हम सब जानते है कि सूरीनाम में कछुए की रक्षा की जा रही है। कछुए के अलावा और जानवर ऐसे है जिनको सहारे की आवशकता है। ऐसे में जब जब "शाखा लम्बी" (स्लोथ) पर मुसीबत आती है, तब मोनिक पूल इन्हें बचाने के लिए तैयार रहती है। मोनिक जी का जन्म हॉलैंड में हुआ लेकिन वह सूरीनाम में पली बढ़ी। जब जब स्लोथ्स की कोई भी समस्या हो, तब लोग इन्हें ही संपर्क करते है। इनके नेक काम के लिए इन्हें सी एन एन हीरो द्वारा पुरस्कार भी दिया गया! और इस तरह मोनिक पूल ने एक नेक काम कर के सिर्फ अपना नहीं बल्कि पूरे सूरीनाम का सर गर्व से ऊँचा कर दिया। इन के द्वारा एक एन.गी.ओ. , ग्रीन हेरितग फंड सूरीनाम चलाई जाती हैं, जो पर्यावरण और जीव जांतों के कल्याण के लिए है।

श्रीमान आम की आज की कथा ..

आई. सी. सी. पारामारिबो से ....

अ **मीर खुसरो** चौदहवीं सदी के एक प्रमुख कवि (शायर), गायक और संगीतकार थे। खुसरो को हिन्दुस्तानी खड़ीबोली का पहला लोकप्रिय कवि माना जाता है। वे अपनी पहेलियों और मुकरियों के लिए जाने जाते हैं। सबसे पहले उन्हीं ने हिन्दी भाषा (**हिन्दवी**) का उल्लेख किया था। उनकी "पहेली" जो शब्द कला बाजी का नमूना है इसका उत्तर उसी में है।

नर नारी कहलाती है
और बिन वर्षा के जल जाती है
पुल्लिंग(पुर्ख) से आये ,पुल्लिंग में जाए
न दी किसी ने बूझ बताई

दूसरी पंक्ति में *जल जाती है में जल* का अर्थ हिंदी में पानी के रूप में है, दूसरे अर्थ में जलने के रूप में। आप एक साथ अंतिम पंक्ति में पहले दो शब्दों को पढ़े तो आप को इस पहेली का उत्तर मिल सकता है।

पहेली का उत्तर – काजल

अमेरिकी मूल निवासी (नेटिव) के चिह्न:

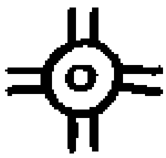
ख़ुशी

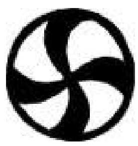
मनुष्य के जीवन के ४ चरण: बचपन, जवानी, मध्यम आयु और बुढ़ापा

युद्ध

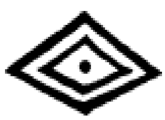
बुद्धिमत्ता

रिपोर्ट - पायल गंगाराम-पांडे

प्रिय मित्रों इस बार हम रिपोर्ट की शुरुआत करते है एक हिंदी सम्मलेन से,६ **सितम्बर** को हिंदी परिषद् की स्थापना के अवसर पर हिंदी सम्मलेन का आयोजन किया गया,जिसका विषय था “सूरीनाम में हिंदी और सरनामी की दशा और दिशा।” इस सम्मलेन पर सूरीनाम के हिंदी के विद्वानों ने अपने विचार प्रकट किये।

आगे बढ़ते है हिंदी दिवस के साथ जो **१९ अक्टूबर** को मनाया गया। इस दिन सूरीनाम के सभी विद्यालयो से सर्वोत्तम विद्यार्थियों ने आई.सी.सी में कविता पाठ करके कवि महोत्सव मनाया।
२१ अक्टूबर को निकेरी में एक कार्यक्रम हुआ, जिसमे योग नृत्य संगीत और हिंदी की कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें भारतीय राजदूत महामहिम सुबाषिनी मुरुगेसन भी शामिल थी।
30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक फ्लाम्बूयांत पार्क में रामलीला नाटक का तीन दिनों तक सफल प्रदर्शन हुआ, जिसमे आई सी सी के द्वारा गायन और नृत्य के कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये गए।
आगे चल के **११नवंबर** को ओनाफ्हान्केलेखैड्स प्लैन पर दिवाली के उत्सव को गायन नृत्य और हिंदी उदघोषणाओं के साथ धूम धाम से मनाया गया।

युवा दल हिंदी परिषद् द्वारा आयोजित हिंदी भाषा मिलन २ **ने** सूरीनाम के सभी जिलो में हिंदी प्रतियोगिताओं का **सफलतापूर्वक**

दूसरा स्वर +	-लक + श + रात = जी	- ब	+ न = स	ओ = ह

<u>ऑनलाइन साक्षात्कार</u> - श्रीमान आम

<u>श्रीमान आम: आप दोनों का नाम क्या है?</u>

नमस्कार जी मैं, संदीप उमराव और मैं सरस्वती जड़बंधन ।

<u>श्रीमान आम :आप भारत में कौन सी शिक्षा लेने गए हैं ?</u>

संदीप और सरस्वती : हम भारत देश में अपनी हिंदी भाषा को बेहतरीन बनाने के लिए आए हैं .हम यहाँ पर विभिन्न विषय पढ़ रहे है .-हिंदी रचना ,-मौखिक अभिनय ,-लिखित अभिनय,-हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास ।

<u>श्रीमान आम: शर्मिला : कितने दिन की पढाई है?</u>

संदीप और सरस्वती :हम यहाँ अगले वर्ष अप्रैल मास के अंत तक रहेंगे ।

<u>श्रीमान आम: शर्मिला : आप लोग भारत के कौन से शहर में पढने के लिए गए हैं ?</u>

संदीप और सरस्वती : हम उत्तर प्रदेश के आगरा शहर में केंद्रीय हिंदी संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय शिक्षण विभाग में पढ़ रहे हैं ।

<u>श्रीमान आम : वहाँ और कितने लोग पढते है (कौन से देशों के)?</u>

संदीप और सरस्वती :विदेश से 16 लड़के और लगभग 60 लड़कियाँ यहाँ पढ़ने के लिए आए हैं । यहाँ पर सूरीनाम, मेक्सिको , त्रिनीदाद, रूस , बुल्गारिया, क्रोशिया, ताजीकिस्तान, उस्बेकिस्तान, चाद, इजिप्ट, टर्की, श्री लंका, थाईलैंड, दक्षिण कोरिया और चीन से छात्र आए हैं ।

<u>श्रीमान आम: आप की उद्देश्य पूर्ति हो रही है या नहीं ?</u>

संदीप और सरस्वती :बिलकुल पूरी हो रही है , भविष्य में हम दोनों इंदौर जायेंगे जहाँ पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का एक विश्व शिविर होगा २९ दिसम्बर से ३ जनवरी तक वहाँ विदेश से लोग आयेंगे भाग लेने के लिये ।

<u>श्रीमान आम : आप का अब तक सबसे आनंददायक समय क्या रहा ?</u>

संदीप और सरस्वती :जब हम यहाँ के ऐतिहासिक स्थान ताज महल देखने गए ।

<u>श्रीमान आम: विदेश से आये हुए विद्यार्थियों से हिंदी वार्तालाप कैसा चल रहा है ?</u>

संदीप और सरस्वती : कुछ विदेशी छात्र अपने देश से हिंदी पढ़कर आये है ,जबकि कुछ कुछ अब हिंदी सीख रहे है ।बात करने से पता चला कि योरोप के कुछ देशो में जैसे यूक्रेन,बुल्गारिया,श्री लंका,दक्षिण कोरिया में विश्व विद्यालय में हिंदी पढ़ाई जाती है । वे सब हिंदी भाषा में ग्रेजुएट होने वाले हैं ।

<u>चित्र पहेली का उत्तर: आतिशबाजी से सावधान रहना</u>

संपादक मंडल: मधु रामौतार, शर्मीला राम्रत्तन, कृष्णा तिवारी, पायल गंगाराम पांडेय (ICC पारामारिबो का हिंदी विद्यार्थी मंडल) और अध्यापिका कविता मालवीय
लेख के लिए संपर्क करे: surinamhalchal@gmail.com या www.facebook.com/surinamhalchal